592

MARJ-03

June - Examination 2019

M.A.(Previous) Rajasthani Examination

राजस्थानी साहित्य रौ इतिहास

Paper - MARJ-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ पेपर 'अ', 'ब' अर 'स' तीन खण्डा में बट्योडो है। हरेक खण्ड रे साम्हीं दियोडा निर्देस रे मुजब सवालां रौ पड़ूतर लिखणौ है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सगळा सवालां रौ पड़ूतर देवणो जरूरी है। सबदां री सीमा अेक सबद, अेक वाक्य या 30 सबदा सूं बैसीनीं होवणौ चाहिजै।

1) (i) वैदिक संस्कृत में मूळस्वर कितरा होवै?

(ii) प्राकृत भाषा में रचित 'बृहत् कथा' रा रचियेता रौ नाम बतावो।

(iii) 'प्राकृत सर्वस्व' रचना में अपभ्रंश रा कितरा भेद बताया गया?

(iv) राजस्थानी री प्रमुख बोलियां रा नाम लिखो।

(v) 'डिंगळ' सबद रौ प्रयोग किण रचना में मिळै?

(vi) अव्ययी भाव समास री परिभासा बतावो।

(vii) प्रव्यय रा दोय भेद कुणसा हा।

(viii) 'तरवार' रा कोई तीन पर्यायवाची सबद लिखो।

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड मांय सूं किणी चार सवालां रा जवाब देवणौ है। सबद सीमा 200 सबद है।

2) वैदिक अर लौकिक संस्कृत में कांई अंतर है।

3) राजस्थानी भाषा री बोलियां रौ खेतर निरूपण करो।

4) भाषा री प्रमुख विसेसतावां री विरोळ करो।

5) मुड़िया लिपि री जाणकारी चित्रित करो।

6) राजस्थानी री व्याकरणगत विसेसतावां री ओळखांण करावो।

7) 'अधिकारी सबद' पर टिप्पणी लिखो।

8) आदिकालीन 'रासो' काव्य पर लेख लिखो।

9) 'सर्वनाम' री परिभासा देवतां थकां इणरा भेदां नै सोदाहरण स्पष्ट करो।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड मांय सूं किणी दोय सवालां रा जवाब देवणौ है। सबद सीमा 500 सबद है।

10) भारतीय आर्य भाषावां रौ लेखो–जोखो प्रस्तुत करो।

11) राजस्थानी भाषा री उत्पत्ति अर विकास री विरोळ करो।

12) नागरी लिपि रै आखरां री विगत आपरे सबदां में उजागर करावो।

13) राजस्थानी रै आधुनिक काल रौ जुग दरसाव प्रस्तुत करावो।